Dr. Dhananjay Kumar
Assistant Professor
S.R.A.P college

A— इस्लाम का जन्म

छठी शताब्दी ई० मे अरब क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति काफी विचित्र थी। अरब क्षेत्र कई कबिलो जनजातियो मे बटा हुआ था जैसे :- अरब की मूल जनजाति

- औशु
- खजराज
- शकीफ
- कुरैश

ऐसे ही अरब क्षेत्र मे यहुदियो के भी जनजाति कबिले थे इन्हे बनुनादिर, कैनुका, कुरैना कहा गया। इसके अलावे अरब क्षेत्र मे कई छोटे-छोटे कबिले थे जैसे। → सावा

- हजमौन
- मथीन
- कताबान

कहने का अर्थ है कि पूरा अरब-क्षेत्र जनजातियो कबिलो मे बटा हुआ था कोई बांधने वाली राजनीतिक शक्ति नही थी।

ऐसे समस्त कबीले जनजाति आपस मे लड़ते रहते थे। एक-दूसरे के खून को बहाने के लिए तैयार रहते थे। छोटे कबीले आपस मे गठबंधन कर लेते थे। गठबंधन के इस तरीके को हिल्फ कहा जाता था। छोटे कबिले कभी-कभी अपने को बचाने के लिए बड़े कबिले के अधिन हो जाते थे इसे जीवार कहा जाता था। यानि यहाँ के लोग कबिलाई तौर से जीवन यापन करते थे। अरब देश का परिदृश्य काफी निराशा पूर्ण था। सामाजिक तौर मे भी कोई बेहतर नियम-कानून से सम्बंधित पुस्तक नहीं था। स्त्री-पुरुष के बीच ____ नहीं था। यहाँ मुख्य रूप से अस्थाई प्रकार का विवाह अधिक होता था जिसे मुताह कहा जाता था।

→ यहाँ की आर्थिक स्थिति भी काफी अच्छी नहीं थी। तापमान यहाँ का अधिक रहता था जिसके कारण रेगिस्तान, मरुस्थल का फैलाव तेजी से होता जाता था। खजूर के उत्पादन पर ही मुख्य रूप से

निर्भरता थी।

→ उत्तरी अरब-वासी जिसे भाओरी कहा गया है उतने ही पीछे हुए जितने दक्षिणी अरब-वासी जिसे यामिनी कहा गया।

→ सम्पूर्ण अरब क्षेत्र में तीन मुख्य रूप से शहर थे वह भी कहने मात्र के—

- मक्का
- यशरीब (मदीना)

→ इस समय अरब क्षेत्र का धर्म भी स्पष्ट नहीं था यहाँ के लोग बुतपरस्त थे यानि मूर्ति पूजक थे। पुराण में लात, मनात, उज्जा शब्द का उल्लेख हुआ है ये सब बुतपरस्ती की ओर संकेत करता है। यहाँ के कुछ लोग-यहूदियों के धर्म को भी मानते थे। अतः कोई राजनीतिक और Religious bonding force नहीं था जो लोगों को एक धर्म में बाँध कर रख सके।

6th cen AD के अरब क्षेत्र में जो मुख्य रूप से जो जो चीजें उपस्थित था वे हैं—

अरबों का राजनीतिक विखंडन

कबीलाई जीवन-यापन

सर्वत्र

अस्पष्ट धर्म का अभाव, धार्मिक व्यवस्था का अभाव

- गरीबी
- सामाजिक व्यवस्था का अभाव
- नैतिक रूप से भ्रष्ट
- बेकार-सी कुलपरस्ती
- माला नामक काम चलाऊ संस्था
- प्रतिकार, प्रतिशोध और निराशा का वातावरण

6th cent AD के ऐसे विचित्र Condition को ही कुरान में एक नाम दिया गया "जमान-ए-जाहिलियत", यानि अंधकार का युग।

इसी अरब क्षेत्र में 570 AD में मक्का में, कुरैश कबीले में अब्दुल ____ के पौत्र अबु तालिब के भतीजे, अब्दुल्ला और अमीना के पुत्र के रूप में —

"अल-अमीन" का जन्म हुआ अरब क्षेत्र में

5

समाखनाओं का जन्म हुआ। 40 वर्ष की उम्र मे इन्हे ____ शुरू हुआ यानि दैवीय संदेश। मोहम्मद साहेब ने संदेश करते हुए विरोध झेलते हुए अरब-वासियो को इस्लाम के जरिये वह सबकुछ दे दिया जिसका अरब-वासियो का अभाव था। 622 AD मे इस्लाम का जन्म हुआ। 622 AD मे मोहम्मद साहब ने मक्का से मदिना की ओर हिजरत किए।

जहाँ से हिजरत की शुरूआत हुई वही से हिजरी संवत की शुरूआत हुई। 16 July 622 AD. तकनीकी रूप से इस्लाम के जन्म और विस्तार के तिथि की गणना यही से होती है। मदिना को कहा गया नबी का शहर, सर्वप्रथम उसने उपदेश अपनी पत्नी खदीजा को दिया जो उसकी पहली शिष्या थी।

→ मोहम्मद साहेब जिसे हजरत-नबी और पैगम्बर कहा गया उन्होने अरब-वासियो को अपने उपदेशो-विचारो से संगठित करना शुरू किया। मुख्य रूप से दो

साहित्य अरब क्षेत्र मे आ गए। जिसकी कमी अरब-वासियो की थी।

• कुरा।

→ कुरान मे जो कुछ है माना जाता है कि वे पैगंबर ने अपनी ओर से नही दिए है वे सर्वोच्च सत्ता अल्लाह की देन है इसमे उन्ही के संदेश निर्देश है। पैगम्बर मोहम्मद साहेब यह संदेश जनता तक पहुँचाने का माध्यम बने है। इसलिए इस्लाम मे कुराण की सर्वोपरिता है।

साहित्यीक रूप से कुराण मूलत: अरबी शब्द है।

हदीस - ये मूल रूप से अरबी भाषा मे है हजरत पैगम्बर ने अपने ओर से समसामिनी वातावरण के अनुसार नियम और आदेश के रूप मे जो कुछ भी दिए है वे हदीस होते है, ये पैगम्बर मोहम्मद की तरफ से है।